6. वचन

व्याकरण में शब्द के जिस रूप से उसके एक या एक से अधिक संख्या में होने का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं।

लिंग के समान ही वचन परिवर्तन भी रटने के स्थान पर समझने और अभ्यास द्वारा ही सीखने का प्रयास करना चाहिए।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों को वचन की पुनरावृत्ति करवाएँ।
- ❖ पृष्ठ 38 पर दिए शब्दों को पढ़वाएँ तथा छात्रों को उनका अंतर बताने को कहें। समझाएँ, वचन संख्या के बारे में बताते हैं।
- ❖ वचन की परिभाषा छात्रों से सुनें।
- ❖ वचन के दोनों भेदों के बारे में पहले छात्रों से पूछें फिर बताएँ।
- ❖ एकवचन का बहुवचन के रूप में प्रयोग करना सिखाएँ। पृष्ठ 38 पर दिए बिंदुओं द्वारा स्पष्ट करें।
- ❖ संज्ञा-सर्वनाम आदि के बदलने पर वचन में परिवर्तन किस प्रकार हो जाता है, यह समझाएँ।
- ❖ बताएँ, आदरार्थ एवं श्रेष्ठ व्यक्तियों के प्रति आदर प्रकट करने के लिए एकवचन का बहुवचन में प्रयोग किया जाता है। पृष्ठ 38 के उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करें।
- ❖ सदैव बहुवचन में प्रयोग होने वाले शब्दों के बारे में बताएँ। पृष्ठ 38 पर दिए शब्दों द्वारा स्पष्ट करें।
- ❖ बीच-बीच में छात्रों की पाठ में उपस्थिति जाँचने के उद्देश्य से विषय संबंधी प्रश्न करें।
- ❖ वचन परिवर्तन के निमय समझाएँ। पृष्ठ 39-40 पर दिए शब्दों को पढ़वाएँ तथा नियमों को स्पष्ट रूप से समझाएँ।
- ❖ सुनिश्चित कर लें कि छात्र पाठ भली-भाँति समझ पा रहे हैं या नहीं।
- ❖ कुछ विशेष बिंदुओं को भी स्पष्ट रूप से समझाएँ। बताएँ, संबोधन प्रकट करने के लिए संज्ञा शब्दों के अंत में यो अथवा ओ जोड़ दिया जाता है। यह भी बताएँ इनमें अनुनासिक चिह्न नहीं लगाया जाता है।